

ଭୂବନେଶ୍ୱର



ମୁଣ୍ଡିର-୮ ସରସ୍ତୀ ବିଦ୍ୟାମନ୍ଦିର



ମୁଣ୍ଡିର-୩ ସରସ୍ତୀ ବିଦ୍ୟାମନ୍ଦିର



ଭୀମଗୋଲ ଦୃଷ୍ଟିହାନ ବିଦ୍ୟାଳୟ



ବିପିନ୍ ବିହାରୀ ଗୋଧୁରା ବଧୁର ବିଦ୍ୟାଳୟ



ବଡ଼ଗଢ଼ ବ୍ରିଜ କଲୋନୀ ସରସ୍ତୀ ଶିଶୁ ବିଦ୍ୟାମନ୍ଦିର



ଅଳ୍ପ ନୂର ପେପର ସମ୍ମାନରେ ସୋଶିଆଲ୍ ଡେଲ୍‌ଫେୟାର ଆସ୍ଵାରିଏଶନ



ମୁଣ୍ଡିର-୩ କ୍ୟାପିଟାଲ ହାଇମ୍ବୁଲୁ



ରାଥୀଳାପୁଣି ଶତାବ୍ଦୀ ଅନୁଷ୍ଠାନ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ

କଟକ



ତୁଳସୀପୁର ସରସ୍ତୀ ଶିଶୁ ବିଦ୍ୟାମନ୍ଦିର



ସତ୍ତରେ ସେବକର ୯ ସରସ୍ତୀ ଶିଶୁ ବିଦ୍ୟାମନ୍ଦିର

ପୁରୀ



ଲିଙ୍ଗରାଜ କଲ୍ଯାନିକେନ୍ଦ୍ର



ଯୋଦ୍ଧାବଜାର ସରସ୍ତୀ ଶିଶୁ ବିଦ୍ୟାମନ୍ଦିର



ଶ୍ରୀଗୋପାଳଙ୍କା ବିଦ୍ୟା ନିକେତନ



ତୃତୀୟ ଭାଷା ହିନ୍ଦୀ/ସଂସ୍କୃତ (THIRD LANGUAGE HINDI/SANSKRIT)

HINDI

Full Marks: 100

*the answers in
practicable.
indicate marks)*

*Candidates are required to write the answers in their own words as far as practicable.
The figures in right hand margin indicate marks)*

PART – I (OBJECTIVE)

- | | | |
|-----|--|-------------------|
| | एक-एक वाक्य में उत्तर दीजिए । | $1 \times 5 = 5$ |
| (क) | कोयल कैसे दूसरों को अपना कर लेती है ? | |
| (ख) | ठाकुर साहब की किराया देने को बात सुनकर मुसाफिर ने क्या कहा ? | |
| (ग) | संन्यासी अपनी इच्छा से क्या छोड़ देते हैं ? | |
| (घ) | लेखिका के घर पर गिल्लू कितने साल रहा ? | |
| (ङ) | ओडिशा के कहाँ-कहाँ मंदिर आज भी सिर उठाए खड़े हैं ? | |
| . | एक-एक शब्द में उत्तर दीजिए । | $1 \times 5 = 5$ |
| (क) | भाषा द्वारा किसकी रक्षा होती है ? | |
| (ख) | मुंशी जी को किससे अस्पताल पहुँचाया गया ? | |
| (ग) | स्वामीजी ने किनको मानव-सेवा में लगाया ? | |
| (घ) | लेखिका कभी-कभी गिल्लू को पकड़कर कहाँ रख देती थीं ? | |
| (ङ) | खारबेल मगध से क्या वापस ले आए थे ? | |
| . | खाली जगहों को भरिए । | $1 \times 5 = 5$ |
| (क) | बचनों का आकर्षण _____ के तत्वाकर्षण से बढ़कर है । | |
| (ख) | पंडित जी घर पहुँचे तो उनके _____ में बड़ा परिवर्तन हुआ । | |
| (ग) | _____ में भारत के लोग कोशिश करके भी पराजित हो गए थे । | |
| (घ) | कौन जाने _____ के बहाने वही मुझे चौकाने ऊपर आ गया है । | |
| (ङ) | इन लोगों ने _____ दे दिए, मगर अन्याय नहीं सहा । | |
| . | एक-एक वाक्य में उत्तर दीजिए । | $1 \times 5 = 5$ |
| (क) | झूट के बराबर क्या नहीं है ? | |
| (ख) | विचार करके वचन कहने से क्या होता है ? | |
| (ग) | यशोमती क्या देखकर हर्षित हो जाती है ? | |
| (घ) | भाड़े में कुरता लाने की बात सुनकर माँ ने बेटे से क्या कहा ? | |
| (ङ) | चौंच में तिनका लेकर जाने वाली चिंडिया किसे नीचा दिखाती है ? | |
| . | एक-एक शब्द में उत्तर दीजिए । | $1 \times 5 = 5$ |
| (क) | राजा शिवि ने क्या दान दिया था ? | |
| (ख) | लोग किसमें मदाध द्वारा जाते हैं ? | |
| (ग) | तेरे लिए एक तिनका बहुत है - यह किसने कहा ? | |
| (घ) | किसके आह्वान से लोग निर्माण में लग जाते हैं ? | |
| (ङ) | हमें किस पर नहीं सोचना चाहिए ? | |
| . | निर्देशानुसार उत्तर दीजिए । | $1 \times 5 = 5$ |
| (क) | विलोम शब्द लिखिए - जाड़ा । | |
| (ख) | समानार्थी शब्द लिखिए - गम । | |
| (ग) | वर्तनी शुद्ध कीजिए - बदोलत । | |
| (घ) | सही रूप क्या होगा - लड़का + ने । | |
| (ङ) | वाक्य शुद्ध कीजिए - पंजे ठंडा हो रहा था । | |
| . | निर्देशानुसार उत्तर दीजिए । | $1 \times 5 = 5$ |
| (क) | बहुवचन रूप लिखिए - हवा । | |
| (ख) | एकवचन रूप लिखिए - सफलताएँ । | |
| (ग) | कौन-सा शब्द पुंलिंग है - मेला, माला, सुराही । | |
| (घ) | अव्यय छाँटिए - वह निकट पहुँच गया । | |
| (ङ) | लिंग बदलिए - पंडित । | |
| . | निर्देशानुसार उत्तर दीजिए । | $1 \times 5 = 5$ |
| (क) | सही परसर्ग भरिए - गाड़ी _____ जगह की कमी थी । | |
| (ख) | उपसर्ग छाँटिए - उत्कृष्ट । | |
| (ग) | प्रत्यय पहचानिए - बचपन | |
| (घ) | रेखांकित पद कौन-सा सर्वनाम है ? | |
| (ङ) | जो इस लता के पास बैठता था । | |
| . | रेखांकित पद किस कारक में है ? | |
| (क) | जब मैं लिखने बैठती । | |
| (ख) | निर्देशानुसार उत्तर दीजिए । | $1 \times 5 = 5$ |
| (ग) | प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया-रूप लिखिए - देखना । | |
| (घ) | सकर्मक क्रिया छाँटिए - जीना, चौंकना, खाना । | |
| (ङ) | सही क्रिया-पद लिखिए - नेता काम में जुट । | |
| . | (जाए, गए, जाएगा) | |
| (क) | अकर्मक क्रिया छाँटिए : चखना, लेना, पड़ना । | |
| (ख) | भूतकाल में बदलिए : रहीम पढ़ेगा । | |
| 0. | निर्देशानुसार उत्तर दीजिए । | $1 \times 5 = 5$ |
| (क) | 'कोयल' शब्द कौन-सी संज्ञा है ? | |
| (ख) | विशेषण छाँटिए : इतिहास का अब दूसरा पत्रा देखें । | |
| (ग) | 'चढ़ना' का भाववाचक संज्ञा रूप क्या है ? | |
| (घ) | संयुक्त क्रिया कौन-सी है ? (मार डालना, मारना, मारकर) | |
| (ङ) | वे + ने का रूप क्या होगा ? | |
| . | PART - II (SUBJECTIVE) | |
| (क) | निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर (प्रत्येक दो-तीन वाक्यों) में दीजिए : | $5 \times 2 = 10$ |
| (ख) | पंडित चन्द्रधर पर उनके अफसर क्यों खुश थे ? | |
| (ग) | विवेकानन्द का व्यक्तित्व कैसा था ? | |
| (घ) | ई.पू. तीसरी शताब्दी में कर्लिंग के सैनिकों ने क्या किया ? | |

PART – II (SUBJECTIVE)

SANSKRIT

Time: 2½ Hours

Full Marks: 100

*Candidates are required to write the answers in their own words as far as practicable.
(The figures in right hand margin indicate marks)*

PART – I (OBJECTIVE)

- | | | |
|-------|--|---|
| 1. | अथेलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा निजभाषया शुद्धम् उत्तरं लिखत । | [1×5=5] |
| | कश्चन ग्रामः । तत्र कश्चन वटवृक्षः आसीत् । तस्मिन् वृक्षे कथित् सर्पः वसति स्म । सः अतीत् विषधरः आसीत् । वृक्षस्य समीपे मार्गेण आगतान् सर्वान् अपि सः दशति स्म । तस्मात् कारणात् ग्रामजनाः तेन मार्गेण गमनागमनं कर्तुं भयम् अनुभवन्ति स्म । एकदा कश्चन मुनिः तेन एव मार्गेण गच्छन् आसीत् । तं दृष्ट्वा सर्पः ‘एषः दशनीयः’ इति वेगेन तत्र आगतवान् । परन्तु महात्मनः तपः प्रभावतः सर्पः तं दृष्टुं न शक्तः । मुनिः अपि तं सर्पम् अहिसायाः महत्वं बोधितवान् । सर्पः मुनेः वचने प्रभावितः अभवत् । तदारभ्य सः दंशनं त्यक्तवान् । यद्यपि सर्पः विषधरः तथापि इदानीं सः विषहीनः इव व्यवहरति । अतः जनाः निर्भयं गमनागमनं कुर्वन्ति स्म । दुष्टाः बालाः तस्य उपरि शिलाखण्डं क्षिपन्ति, पीडयन्ति स्म । परन्तु सर्पः शान्ततया तेषां पीडां सहते स्म । कानिचन दिनानि अतीतानि । सः मुनिः यदा तत्र आगतवान्, तदा सर्पस्य शरीरं क्षतविक्षतम् आसीत् । सः मुनिम् उक्तवान् – “स्वामिन् ! भवतः उपदेशकारणतः अहं हिंसाचरणं त्यक्तवान् । परन्तु मम स्थितिः शोचनीया जाता अस्ति” । तदा मुनिः उक्तवान् – “भोः मित्र ! अन्यान् मा दशतु परन्तु फुक्तारं मा त्यजतु ।” | सर्पः तथा कृतवान् । फलतः कोपि तस्य समीपं नागतः । स विंशां त्यक्तवापि शान्त्या वसति स्म । मुनेः उपदेशात् सर्पः नूतनं जीवनदर्शनं प्राप्तवान् । शक्तिमान् भव, परन्तु अपराणामनिष्टं मा कुरु । |
| (i) | कश्चित् सर्पः कुत्र वसति स्म ? | |
| (ii) | एकदा कः तेन एव मार्गेण गच्छन् आसीत् ? | |
| (iii) | परन्तु महात्मनः कस्मात् कारणात् सर्पः तं दृष्टुं न शक्तः ? | |
| (iv) | यद्यपि सर्पः विषधरः तथापि इदानीं सः कीदृशं व्यवहरति ? | |
| (v) | शक्तिमान् भव, किन्तु अपरणां किं मा कुरु ? | |
| 2. | प्रदत्तवाक्येषु रेखाङ्कितपदानां सकारणं विभक्तिं लिखत । | [1×5=5] |
| (i) | कुत्र वा मे अम्वा । | |
| (ii) | तस्यगम्भीरस्वरः श्रोतुणां हृदयानि स्पृशति ? | |
| (iii) | वायुमण्डलस्य विषक्रियाम् अग्निः नाशयति ? | |
| (iv) | एव विचिन्त्य त पृष्ठे समारोप्य तां शिलामृदिश्य प्रस्थितः । | |
| (v) | शिष्टैः सार्वमरण्यं गत्वा तम् आहृतवान् । | |
| 3. | शुद्धं सन्धिविधानं विच्छेदं कुरुत । | [1×5=5] |
| (i) | वृत्ति + अर्थम् (ii) अस्ति + अस्य | |
| (iii) | एकस्य + अपि (iv) मासर्तुः = (v) विमानैर्वा = | |
| 4. | शुद्धं समासनाम् / समस्त पदं / व्यासवाक्यं लिखत । | [1×5=5] |
| (i) | पादच्छाया = षष्ठी तत्पुरुषः | |
| (ii) | = धर्मस्य ज्ञः = षष्ठी तत्पुरुषः | |
| (iii) | बालमृगेन्द्रम् = कर्मधारयः | |
| (iv) | विश्वकल्याणार्थम् = विश्वकल्याणाय इदम् = | |
| (v) | = रोगं जनयति इति = उपपद तत्पुरुषः | |
| 5. | प्रदत्तवाक्येषु रेखाङ्कितपदानां भ्रमसंशोधनं कुरुत । | [1×5=5] |
| (i) | वृक्षः वायुमण्डलात् अङ्गाराम्लं गृहीता अङ्गारं सचिनोति । | |
| (ii) | भवतु ! महयम् अवयं न गणयति । | |
| (iii) | रामः अयोध्याम् आस्ते । | |
| (iv) | धन विना जीवनं वृथा । | |
| (v) | माधवः पितरं निलीयते । | |
| 6. | एकपदेन स्त्रीप्रत्ययरूपं लिखत । | [1×5=5] |
| (i) | पश्यति या (ii) गौपस्य स्त्री (iii) गुणिनः स्त्री | |
| (iv) | धार्मिकस्य स्त्री (v) बालस्य स्त्री प्रत्यये | |
| 7. | अथेलिखितानि पदानि व्यवहृत्य पृथक् वाक्यानि रचयत । | [1×5=5] |
| (i) | विश्वासः (ii) सम्यक् (iii) अभिकुर्धयति (iv) पुरतः (v) यावत् | |
| 8. | शून्यस्थाने शुद्धं प्रकृतिं/प्रत्ययं लिखत । | [1×5=5] |
| (i) | वाध्यमान = वाध॒ + _____ | |
| (ii) | विकासः = वि + _____ + घञ् | |
| (iii) | शान्तिः = शम् + _____ | |
| (iv) | कामः = _____ + घञ् | |
| (v) | परिष्वज्य = परि + स्वज् + _____ | |
| 9. | प्रदत्तवाक्येषु रेखाङ्कितपदानां मातृभाषया अर्थं लिखत । | [1×5=5] |
| (i) | ये त्वया कीर्तिः दोषाः । | |
| (ii) | अहनि अहनि भूतानि गच्छन्तीह यमालयम् । | |
| (iii) | वत्स ! एनं बालमृगेन्द्रं मुच्च ! | |
| (iv) | सः यथा वदति तथा स्वजीवने आचरति । | |
| (v) | परिवेष्टु परिधिः उपसूर्यकमण्डले । | |
| 10. | प्रदत्तवाक्येषु रेखाङ्कितपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत । | [1×5=5] |
| (i) | सुष्ट्रिप्रक्रियायां पञ्च महाभूतानि परस्परं संशिलष्टानि । | |
| (ii) | तस्मादद्य मे प्राणत्राणं कुरु । | |
| (iii) | गुरुः तं सर्वेभ्यः न्यवारयत् । | |
| (iv) | तस्य गम्भीरस्वरः श्रोतुणां हृदयानि स्पृशति स्म । | |
| (v) | रक्षाकरण्डकमस्य मणिबन्धे न दृश्यते । | |

ଉଭର - PART - I (OBJECTIVE)

- (घ) नारा कस्य भाय प्राज्ञात ?

(ङ) सर्वावस्थागता भर्तुः का विशिष्यते ?

15. संस्कृतभाषया अनुवादं कुरुत : [2×5=10]

(क) शिक्षक छात्रमानकू मेहु करति ।

(ख) दृष्टार्थलोककू पाणी दिआ ।

(ग) बापा माथकू रिथर घरकू आवति ।

(घ) बर्जमान छात्रमाने अथयनगू बिरत हेहचहति ।

(उ) खालबा पूर्वरु हात धोलबा उठित ।

(च) अजाङ्क एह नाटिमाने खेलूथले ।

(ह) ग्रामर एबुआरे शान्ति देखायाउचि ।

(ज) मोते भ्रमण भल लागे नाहीँ ।

ବଚବନ୍ତେ, (ii) କଣ୍ଠନ ମନ୍ଦିଃ, (iii) ଉପାଃପ

ଉତ୍ତର - PART - II (SUBJECTIVE)

- 11. (ক)** বাংহ শশুচলু সবদমন কবলকু মুক্ত করবাপাই সুত্রতে
নাম্বা তাপসা মাটি ময়ুর আশি বালককু দেলা। ময়ুরু
যৌবন্ধ যমন্ত্রে কহিলা যে শকুন্তলাবণ্য পশ্য – তাপসা
কথারু ‘শকুন্তলা’ এই শব্দ শুশি বালকটি গো মা’ কছার
বোলি পচারিলা। অথবাই তাপসাদৃষ্য নাম যমান থ্বাব
মাতৃবস্তু প্রাপ্তি ০কিগলা বোলি কহিথুলো।

অস্থা, বিবেকানন্দের কলজয়ী উদ্বেগেন্দ্র জনচারু জাগ্রত করিথাএ
এই বাণী সংসারসাগরে জীবন রূপক পোতকু নির্বাচ
করুঠবা লোকমানকু কুকু আশিবার দিগবর্ষন দেখাথাএ
এই যোগজন্মক চিরস্মোচ জগ্না প্রবাহ রূপক অমৃতবাণ
আজি মধ ধারাপুষ্টু পবিত্র করুঠে।

(ত) রূপচর আবরণকু পর্যাবরণ কুহায়াএ। সুষ্ম মহাভূত
আকাশতাৰু বায়ু, অর্বি, আপ ও পৃথিবী পর্যাত সুল মহাভূত
অঠে। পর্যাবরণে এই মহাভূতগুড়িকু গৃহণ করায়া
অস্থা, উপমন্ত্যু শুরুক আদেশকুমে বনকু গোচরণ নিমিত
যাইথাএ। ঘষ্যারে গুরুক্কু প্রশাম করিবা যমায়ের ষে তাৱ
বৃৰি যমন্ত্রে প্ৰশ্ব কৰতি। উৱৱে উপমন্ত্যু জৰাজথা
যে ভিক্ষা আচৰণ কৰি জাবিকা নিৰ্বাহ কৰুছি বোলি।

12. (ক) পুষ্টিশৰিক মতৰে ধৰ্মজ্ঞ ব্যক্তি হৈ পঞ্চত এবণ মূর্খ ব্যৰ্থ
নাপ্তি অচে। পেছিপতি নাপ্তিকু মূর্খ বোলি কুহায়াজথাএ
সাংসারিক বিষয়-বাসনা প্রতি আপকু কামনা কুহায়িবা সা
হৃদয়ৰ শোভকু পৰাপৰিকাচৰতা বোলি বৰ্ণনা করায়াজ্ঞি
অস্থা, কাল প্রাণজগতকু পৃথিবীরূপক ভাষ্টৰে ভিৰি আকাশকু ভাঙ্গে
কৰিছি। সুৰ্যৰূপক অগ্নিকু দিনৰাত্রিরূপক কাঠাৰে জলাপাত্র
মাষ রত্তুরূপক তক্কিৰে পাকযোগ্য প্রাণামনকু ঘাঁঘা
পাককাৰ্য যমাদন কৰুছি।

(ত) যাতা অকাট্য পুত্রিবলৱে স্বামাঙ্ক সহ বনকু যিবাপাপ
জল্লকৰিথুলো মধ কালে স্বামা তাঙ্কু বনকু ন নেবে যেথাপা
যে মুহুৰ্মান হোলযাজথুলো। পলৱে রাম তাঙ্কু বাহুযুগলে
আলিঙ্গন কৰি সচেতন কৰিথুলো। পৰ্বতমান বনকু যিবাপাপ
যমস্ত পূৰ্ব কাৰ্যমান আৱষ্য কৰ কাশণ পৰ্বতমান যাতাক বিন
ৱামকু স্বৰ্গসুখ ভল লাগুনাহী বোলি জৰাজথুলো।

অস্থা, রাম বনৱ কষ্ট যমন্ত্রে যাতাক নিকঢ়ৱে যমস্ত বিষয়
বৰ্ণনা কৰিথুলো। বনৱে দিনৱে ঝলি ঝলি কুকু হোলপত্তিথু
ব্যক্তি শয়ন কৰিবাকু জলাপ্রকাশ কৰিথাএ। মাতৃ বননে
ভূতলে আপে আপে ভাঙ্গ পত্তিথু শুষ্পত্তকু শয়ারুতে
ব্যবহাৱ কৰি শয়ন কৰিবাকু পঢিথাএ।

13. (ক) পৰদাৱ পৰিগ্ৰহ অনৰ্ম্ম্য। / পৱ স্বা যমন্ত্রে জিঞ্চাপাকৰিব
অকৰ্তৃতা অচে।

(ত) বিষ্ণোৱেয়ে বিষ্ণু পৰাপৰেয়ে আপাত। / বিষ্ণোৱে

इकमस्य मणिबन्धे न दृश्यते ।

ବସକୁ ଧକ୍କା ଦେଲା କ୍ୟାଣ୍ଟର: ଚାଲିବ ମୃତ, ୧୭ ଆହୁତ

କୋଣାର୍କ, ୩୦୧୯(ଡି.ଏନ୍.୬)



ଦୂରସନ୍ଧୀରୁ କ୍ୟାଣ୍ଟର ଓ ବସା



ଦୂରସନ୍ଧୀରୁ ଆହୁତାନେ

ପୂରା-କୋଣାର୍କ ବେଳାତ୍ମି ରାତ୍ରିରେ ଗୁରୁବାର ପୂର୍ବାହ୍ନ ପ୍ରାୟ ୧୯୮ ରେ ଏକ ଚକ୍ରିଷ୍ଟ ବସ ଓ ଏକ ଯାତ୍ରାବାହୀ କ୍ୟାଣ୍ଟର ମଧ୍ୟରେ ଧକ୍କା ହୋଇଛି। ଏଥରେ କ୍ୟାଣ୍ଟର ଚାଲକଙ୍କ ମୁଖ୍ୟ ଘଟିଥିବାବେଳେ ୧୭ଜଣ ଗୁରୁତର ଓ ୫ଜଣ ଆହୁତ ହୋଇଥିବା ଜଣାପଡ଼ିଛି। ମୁହଁ ମୁହଁ ଚାଲକ ହେଲେ ପୂରା ବଢ଼ିଥିଲେ ଅଞ୍ଚଳରେ ଗୁରୁତର ଅର୍ଥବା ଅର୍ଥନ ମହାବୁଦ୍ଧ (ଶତ)। ସମ୍ପତ୍ତି ଆହୁତ ଓ ଗୁରୁତରଙ୍କୁ କିମ୍ବା ପାଇଁ କୋଣାର୍କ ପ୍ରାଥମିକ ସ୍ଥାଯିକେନ୍ଦ୍ର, ଗୋପ ଗୋପ୍ତା ସ୍ଥାଯିକେନ୍ଦ୍ର ଓ ମୁହଁ ସଦର ମୁଖ୍ୟ କିମ୍ବା ଲୋକଙ୍କର ଭାର୍ତ୍ତ କରାଯାଇଛି।

ସୁନା ଅର୍ଥାଯାମ, କେନ୍ଦ୍ରପଢ଼ା ଜିଲ୍ଲା ପାଇସ୍କୁରା ଥାନା ଅଞ୍ଚଳ ଚିତ୍ତପୁଲା ବରିକ ସମ୍ପତ୍ତି ଏକ ବସ (ଡି ୨୯୯୦ ୦୪୧୯)ରେ କାକପୁର ମା' ମାଙ୍କାଙ୍କ ଦର୍ଶନ କରିଥିଲେ। ଏହା ପରେ କୋଣାର୍କ-ପୂରା ବେଳାତ୍ମି ରାତ୍ରିରେ ଗାତି ରଖ ସ୍ଵର୍ଗତ ଦେଖିବା ପାଇଁ ଗାତି ରଖୁ ହୋଇ ଥିବା ବେଳେ କୋଣାର୍କ-ପୂରା ଅଭିଯତେ ଆସୁଥିବା ଥାପୁରୁଷ ମା' ମାନକ ଯାତ୍ରାବାହୀ କ୍ୟାଣ୍ଟର (ଓରାର ୧୩-୧୦୦) ସମ୍ପତ୍ତ ସବର ପରିପର୍ବ୍ର ଧକ୍କା ଦେଇଥିଲା। ଫଳରେ କ୍ୟାଣ୍ଟର ଥିବା କୋଣାର୍କ ଅଞ୍ଚଳର

ହୋଇ ଜଣନକୁ ଦୌଡ଼ି ପଲାଇ ଯାଉଥିବା ବେଳେ କେତେବେଳେ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ତାଙ୍କୁ ଧରି କୋଣାର୍କ ପୋଲିସ ଜିମା ଦେଇଥିଲେ। ପରେ ପୋଲିସ ସମ୍ପତ୍ତ ଚାଲକଙ୍କୁ ଗାତିରେ କିମ୍ବା ପାଇଁ କୋଣାର୍କ ପ୍ରାଥମିକ ସ୍ଥାଯିକେନ୍ଦ୍ରକୁ ଅନ୍ତିମେ। ଅଧିଧିକ ମଧ୍ୟାବ୍ଦ ଯୋଗୁ ତାଙ୍କର ସ୍ଥାଯାବସ୍ଥା ସଜ୍ଜାପନ୍ଥ ହେବାରୁ ତାଙ୍କୁ ପୂରା ମୁଖ୍ୟ କିମ୍ବା ଲୋକଙ୍କର ସମ୍ପତ୍ତି କରାଯାଇଥିଲା। ସେଠାରେ ତାଙ୍କର ତାଙ୍କ ମୃତ ଘୋଷଣା କରିଥିଲେ। ଏ ସମ୍ପତ୍ତରେ କୋଣାର୍କ ପୋଲିସ ଏକ ମାମଲା (ମ୍ୟ.୮/୧୦)ରୁ କରିବା ସହ ଦୁର୍ଘଟନାଗ୍ରହ୍ୟ ହେଲା ଗାତିକୁ ଜବତ କରି ତଥକ ଲୋକଙ୍କରେ କରିଥିଲା।

ପ୍ରଦୀପ ଚାନ୍ଦ (୪୫), ନାରାୟଣ ଦାସ (୩୧), କୁମାର ପରିଚ୍ଛା (୨୭), ରିକ୍ଷ ଦିଶାକ (୨୭), ପୁରୁଷ ଦାସ (୪୫), ହାରାଦେବୀ ମହାନ୍ତି (୩୦), ପ୍ରିନ୍ସ (୩), ପ୍ରାଣନାଥ ନାୟକ (୩୨), ପ୍ରାପଦନ୍ତ ସେତା (୩୪), ନିରାଜନ ଦାସ (୩୦)ଙ୍କ ସମେତ ୧୭ଜଣ

ପୂରୁତ୍ତରଙ୍କୁ କିମ୍ବା ପାଇଁ ଗୋପ ଗୋପ୍ତା ସ୍ଥାଯି କିମ୍ବା ପାଇଁ ଗାତି ରଖୁ ହୋଇଥିବା କରାଯାଇଛି। ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ହୁଏଇଥିବା କରାଯାଇଥିଲେ ପରେ ପାଇଁ ଗାତି ରଖୁ ହୋଇଥିବା କରାଯାଇଛି। ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ହୁଏଇଥିବା କରାଯାଇଥିଲେ ପରେ ପାଇଁ ଗାତି ରଖୁ ହୋଇଥିବା କରାଯାଇଛି। କାମାନାଥ କିମ୍ବା ପାଇଁ ଗାତି ରଖୁ ହୋଇଥିବା କରାଯାଇଛି। କାମାନାଥ କିମ୍ବା ପାଇଁ ଗାତି ରଖୁ ହୋଇଥିବା କରାଯାଇଛି।

ପ୍ରଦୀପ ଚାନ୍ଦ (୪୫), ନାରାୟଣ ଦାସ (୩୧), କୁମାର ପରିଚ୍ଛା (୨୭), ରିକ୍ଷ ଦିଶାକ (୨୭), ପୁରୁଷ ଦାସ (୪୫), ହାରାଦେବୀ ମହାନ୍ତି (୩୦), ପ୍ରିନ୍ସ (୩), ପ୍ରାଣନାଥ ନାୟକ (୩୨), ପ୍ରାପଦନ୍ତ ସେତା (୩୪), ନିରାଜନ ଦାସ (୩୦)ଙ୍କ ସମେତ ୧୭ଜଣ

ପୂରୁତ୍ତରଙ୍କୁ କିମ୍ବା ପାଇଁ ଗାତି ରଖୁ ହୋଇଥିବା କରାଯାଇଛି। ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ହୁଏଇଥିବା କରାଯାଇଥିଲେ ପରେ ପାଇଁ ଗାତି ରଖୁ ହୋଇଥିବା କରାଯାଇଛି। ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ହୁଏଇଥିବା କରାଯାଇଥିଲେ ପରେ ପାଇଁ ଗାତି ରଖୁ ହୋଇଥିବା କରାଯାଇଛି। କାମାନାଥ କିମ୍ବା ପାଇଁ ଗାତି ରଖୁ ହୋଇଥିବା କରାଯାଇଛି। କାମାନାଥ କିମ୍ବା ପାଇଁ ଗାତି ରଖୁ ହୋଇଥିବା କରାଯାଇଛି।

ପ୍ରଦୀପ ଚାନ୍ଦ (୪୫), ନାରାୟଣ ଦାସ (୩୧), କୁମାର ପରିଚ୍ଛା (୨୭), ରିକ୍ଷ ଦିଶାକ (୨୭), ପୁରୁଷ ଦାସ (୪୫), ହାରାଦେବୀ ମହାନ୍ତି (୩୦), ପ୍ରିନ୍ସ (୩), ପ୍ରାଣନାଥ ନାୟକ (୩୨), ପ୍ରାପଦନ୍ତ ସେତା (୩୪), ନିରାଜନ ଦାସ (୩୦)ଙ୍କ ସମେତ ୧୭ଜଣ

ପୂରୁତ୍ତରଙ୍କୁ କିମ୍ବା ପାଇଁ ଗାତି ରଖୁ ହୋଇଥିବା କରାଯାଇଛି। ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ହୁଏଇଥିବା କରାଯାଇଥିଲେ ପରେ ପାଇଁ ଗାତି ରଖୁ ହୋଇଥିବା କରାଯାଇଛି। ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ହୁଏଇଥିବା କରାଯାଇଥିଲେ ପରେ ପାଇଁ ଗାତି ରଖୁ ହୋଇଥିବା କରାଯାଇଛି। କାମାନାଥ କିମ୍ବା ପାଇଁ ଗାତି ରଖୁ ହୋଇଥିବା କରାଯାଇଛି। କାମାନାଥ କିମ୍ବା ପାଇଁ ଗାତି ରଖୁ ହୋଇଥିବା କରାଯାଇଛି।

ପ୍ରଦୀପ ଚାନ୍ଦ (୪୫), ନାରାୟଣ ଦାସ (୩୧), କୁମାର ପରିଚ୍ଛା (୨୭), ରିକ୍ଷ ଦିଶାକ (୨୭), ପୁରୁଷ ଦାସ (୪୫), ହାରାଦେବୀ ମହାନ୍ତି (୩୦), ପ୍ରିନ୍ସ (୩), ପ୍ରାଣନାଥ ନାୟକ (୩୨), ପ୍ରାପଦନ୍ତ ସେତା (୩୪), ନିରାଜନ ଦାସ (୩୦)ଙ୍କ ସମେତ ୧୭ଜଣ

ପୂରୁତ୍ତରଙ୍କୁ କିମ୍ବା ପାଇଁ ଗାତି ରଖୁ ହୋଇଥିବା କରାଯାଇଛି। ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ହୁଏଇଥିବା କରାଯାଇଥିଲେ ପରେ ପାଇଁ ଗାତି ରଖୁ ହୋଇଥିବା କରାଯାଇଛି। ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ହୁଏଇଥିବା କରାଯାଇଥିଲେ ପରେ ପାଇଁ ଗାତି ରଖୁ ହୋଇଥିବା କରାଯାଇଛି। କାମାନାଥ କିମ୍ବା ପାଇଁ ଗାତି ରଖୁ ହୋଇଥିବା କରାଯାଇଛି। କାମାନାଥ କିମ୍ବା ପାଇଁ ଗାତି ରଖୁ ହୋଇଥିବା କରାଯାଇଛି।

ପ୍ରଦୀପ ଚାନ୍ଦ (୪୫), ନାରାୟଣ ଦାସ (୩୧), କୁମାର ପରିଚ୍ଛା (୨୭), ରିକ୍ଷ ଦିଶାକ (୨୭), ପୁରୁଷ ଦାସ (୪୫), ହାରାଦେବୀ ମହାନ୍ତି (୩୦), ପ୍ରିନ୍ସ (୩), ପ୍ରାଣନାଥ ନାୟକ (୩୨), ପ୍ରାପଦନ୍ତ ସେତା (୩୪), ନିରାଜନ ଦାସ (୩୦)ଙ୍କ ସମେତ ୧୭ଜଣ



ସଂଖ୍ୟେପରେ

ଗ୍ରାମଗାଳ: ୩ ଗୁରୁତ୍ବର

ନିମାପଡ଼ା, ୩୦୧୦ (ତ.ଏନ.୧.):
ନିମାପଡ଼ା ଥାନା ଅଞ୍ଚଳର ରିଟେଲୋ

ଗ୍ରାମରେ ଯିବାଙ୍କ ଝଗଢ଼ୁ କେନ୍ଦ୍ରକର
ଦୂର ପରିବାର ମଧ୍ୟରେ ଗଣ୍ଡଗୋଳ ଘଟିଛି

ଏଥରେ ରଜନ ଭୋର, ଶ୍ରୀମତ୍ ଭୋର,

ପ୍ରକାର ଭୋର ଗୁରୁତ୍ବର ହୋଇଛନ୍ତି

ବିଜ୍ଞାପା ପାଇଁ ଏମାନଙ୍କ ନିମାପଡ଼ା

ତାଙ୍କୁରାଖାରେ ଉଚ୍ଚ କରାଯାଇଛି । ଏ

ସର୍କାରର ରଜନଙ୍କ ବାପା ତ୍ରୀମାଥ ଭୋର

ଆମରେ ଅଭିଯୋଗ କରିଛନ୍ତି ପୋଲିସ

ପଣ୍ଡାପୁରରେ ପାହିଛି ଦେବତ କଳାଇଛି

ବିପୋର ଲେଖା ହେବା ବେଳକୁ ଏ

ସର୍କାରର ମାମଲା ରୁକ୍ଷ ହୋଇ ନ ଥିବା

ଜଣାପାଇଛି ।

ଶେଷ ହେଲା ଫୁଲ୍‌ପ୍ରାଥ୍

ରୋଷେଇ

ପ୍ରାଣ ଅନ୍ତିମ, ୩୦୧୦ (ତ.ଏନ.୧.):

ଗତ ୪୭ଦିନ

ଧରି ଶାତ୍ର ଅନୁଷ୍ଠାନ ପଶ୍ଚର ପୌର

ସଦନ ଛିଠାରେ ଗାଲିଥାପା ଫୁଲ୍‌ପ୍ରାଥ୍

ରୋଷେଇ ଗୁରୁତ୍ବର ସମ୍ପାଦ ହୋଇଛି ।

ଗତ ଧରି ମୁକ୍ତାତୀରୁ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥାଏ

ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକୁ ମ୍ରାମକାର ପାଇଁ ଏଥରେ

ଅଭିଯୋଗ କରିଛନ୍ତି । ଏଠାରେ ଦରଶ ପାଇଁ

ଭାବୁକୁ ଉଚ୍ଚ କରାଯାଇଛି । ଏଥରେ

ଅଭିଯୋଗ କରିଥିଲେ । ଏଥରେ

ଶୋଷଣ ହେଉଛନ୍ତି ଦର୍ଶନାର୍ଥୀ

ପୁରା ଅନ୍ତିମ, ୩୦୧୦

ନିମାପଡ଼ା ଦିଆମାନ ପବିତ୍ର

ନିମାପଡ଼ା ମହାମାନ ପବିତ୍ର

ନିମାପଡ଼ା ମହାମାନ ପବିତ୍ର

କରାଯାଇଥାଏ । ଶ୍ରୀମଦିର ବେତା

ପରିବର୍ତ୍ତନ ବୁଲିବାକେ ରେଖିଲୀ

କରାଯାଇଥାଏ । କରାଯାଇଥାଏ

